

[This question paper contains 6 printed pages.]

2469A

Your Roll No. ....

LL.B./III Term

F

Paper LB 302 - LIMITATION AND ARBITRATION (OC)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

*Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.*

*टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt any five questions  
including question no. 1 which is compulsory.  
All questions carry equal marks.*

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।  
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Attempt briefly any **four** of the following:

(1) Explain the maxim that Limitation bars only remedy  
but it does not destroy the right.

P.T.O.

- (2) Discuss the meaning of the expression 'time requisite' under section 12 of the limitation Act.
- (3) 'The Law of Limitation is a statute of repose peace and justice' Explain.
- (4) Define International Commercial Arbitration.
- (5) Define Foreign Awards. (4×5=20)

निम्नलिखित में से किन्हीं चार को कीजिए:

- (1) सीमित दंड केवल उपचार है लेकिन यह अधिकार को नष्ट नहीं करता है। इस नियम की व्याख्या कीजिए।
- (2) परिसीमा एक्ट की धारा 12 के अंतर्गत 'अपेक्षित समय' अभिव्यक्ति के अर्थ की विवेचना कीजिए।
- (3) 'परिसीमा की विधि विश्राम शांति और न्याय बनाए रखने की संविधि है'। व्याख्या कीजिए।
- (4) अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता को परिभाषित कीजिए।
- (5) विदेशी अधिनिर्णय (आवर्ड) को परिभाषित कीजिए।
2. A state government files a criminal appeal in the High Court against the acquittal of the accused persons alongwith the application for condonation of delay of 90 days in filing the appeal. Decide whether the said delay can be condoned under section S of the limitation Act, on the basis of the decided cases. (20)

राज्य सरकार उच्च न्यायालय में अभियुक्त की रिहाई के विरुद्ध आपराधिक याचिका दायर करती है, वह भी याचिका दायर करने के 90 दिन की देरी के लिए क्षमा पत्र के साथ। निर्णय दिए गए केस के आधार पर लिमिटेशन ऐक्ट की धारा 5 के अंतर्गत निर्णय कीजिए की बताई गई देरी में क्षमा हो सकती है।

3. (a) What is the effect of fraud and Mistake on the period of limitation?

(b) Discuss the effect of acknowledgement on the period of limitation. (10+10)

(क) परिसीमा के समय में धोखेबाजी (कपट) या गलती का क्या प्रभाव हो सकता है?

(ख) परिसीमा के समय में सन्ज्ञान के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the Limitation period in the following circumstances with the help of the decided cases.

(i) Limitation for specific performance

(ii) Any suit for which no limitation is prescribed anywhere.

(iii) Limitation where no period is prescribed

(iv) For execution of any decree (other than decree granting a mandatory injunction) or order of the civil court. (4×5=20)

निर्णय आए केसों की सहायता से परिसीमा समय के निम्नलिखित परिस्थितियों की विवेचना कीजिए।

- (i) विशेष निष्पादन के लिए लिमिटेशन (परिसीमा)
- (ii) कोई भी मुकद्दमा जिसके लिए कहीं भी परिसीमा निर्धारित नहीं हो।
- (iii) परिसीमा जहाँ कोई भी समय निर्धारित नहीं है।
- (iv) किसी भी अदालती हुक्म या सिविल न्यायालय के आदेश के कार्यन्वयन के लिए (अन्य अदालती हुक्म जो आवश्यक स्वीकार निणेधाजा)।

5. Discuss the relevant provisions and the judgement which has overruled 'Bhatia International vs. Bulk Trading S.A. & Anr(2002) 4 SCC 105'. (20)

उन प्रासांगिक प्रावधानों एवं न्यायिक निर्णय की विवेचना कीजिए जिसने 'भाटिया इंटरनेशनल बनाम बल्क ट्रेडिंग एस.ए. और अन्य (2002) 4 एससीसी 105' को रद्द कर दिया।

6. (a) On what grounds an Arbitral Award can be set aside? Explain with the help of the decided cases.

(b) Whether the award given by even number of arbitrators is valid in view of the provisions of Section 10 of the Arbitration & Conciliation Act of 1996. (10+10)

(क) किन कारणों से पंचाट निर्णय को किनारे किया जा सकता है? निर्णय आए मुकदमों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

(ख) बराबर संख्या में पंचाट द्वारा दिए गए निर्णय आर्बिट्रिशन एवं कन्सिलिएशन एक्ट 1996 की धारा 10 के प्रावधानों के विचार से वैध है।

7. It is not possible to formulate a definition which would satisfactorily distinguish between an administrative or Judicial order. Discuss this statement with respect to the function of the Chief Justice to appoint the Arbitrator discussed in the 'SBP & Co. Vs. Patel Engg Ltd. (2005)8 SCC 618'. (20)

ऐसी परिभाषा को प्रतिपादित करना संभव नहीं जो की प्रशासनिक एवं न्यायिक आदेश के बीच संतोषप्रद विभेद बता सके। इस कथन को मुख्य न्यायाधीश के द्वारा मध्यस्थ की नियुक्ति के कार्य को 'एसबीपी एवं को. बनाम पटेल इंग लिमिटेड (2005) 8 एससीसी 618' की चर्चा की गई है। विवेचन कीजिए।

8. Define Conciliation. Discuss all relevant provisions of Conciliation as mentioned in the Arbitration and Conciliation. (20)

कॅन्सलिएशन (सुलह) को परिभाषित कीजिए। आर्बिट्रेशन एवं कॅन्सलिएशन में कथित कॅन्सलिएशन (सुलह) के सभी प्रसांगिक प्रावधानों की विवेचना कीजिए।